ISSN 0972-5539

मीना समाचार
MEENA News
भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का प्रकाशन
A PUBLICATION OF FISHERY SURVEY OF INDIA

खंड XXXIV संख्या 3 मुंबई जुलाई से सितंबर 2017

1. अनुसंधान क्षेत्र से:

क) यल्लोफिन टूना और शार्क का टैगिंग

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के पोर्ट ब्लेयर बेस से सम्बद्ध मल्टीफिलामेन्ट लॉंग लाइनर पोत *एम एफ वी ब्लू मार्लिन* पर पी-सैट टैगिंग किया गया । जलयात्रा के दौरान, चार येल्लो फिन टूना और चार शार्क को, माह जुलाई 2017 में अंडमान एवं निकोबार पानी में, पी-सैट पोप-अप टैग के साथ टैग किया गया। टैगिंग का ब्यौरा इस प्रकार है:

क्रम स.	दिनांक	टैग की गई प्रजाति	टैगिंग क्षेत्र	एफ.एल (से. मी.)	वजन (कि. ग्रा)
1	20.07.2017	अलोपिअस पेलैजिकस	अक्षांश 11°16.07' उ. देशांतर 92°55.47' पू	258	30
2	21.07.2017	थुन्नस अल्बाकेअर्स	अक्षांश 10° 0.69' उ. देशांतर 92°47.34' पू	152	40
3	21.07.2017	थुन्नस अल्बाकेअर्स	अक्षांश 10°36.57' उ. देशांतर 92°45.36' पू	132	35
4	23.07.2017	कारकेंरिनस फैल्सिफार्मिस	अक्षांश 10°38.8' उ. देशांतर 92°45.9' पू	150	25
5	23.07.2017	अलोपिअस पेलैजिकस	अक्षांश 10°38.3' उ. देशांतर 92°45.7' पू	276	30
6	25.07.2017	थुन्नस अल्बाकेअर्स	अक्षांश 11°27.85'उ. देशांतर 92°53.20' पू	132	30
7	25.07.2017	गैलिऔसर्डो कुविएर	अक्षांश 11°26.50' उ. देशांतर 92°53.20' पू	197	60
8	26.07.2017	थुन्नस अल्बाकेअर्स	अक्षांश 11°56.92' उ. देशांतर 93°15.56' पू	123	27

महासागर सूचना सेवा के भारतीय राष्ट्रीय केंद्र द्वारा निधिबध्द "भारतीय समुद्र में टूना के प्रवासी स्वरूप पर उपग्रह टेलिमेट्रि अध्ययन (सत्तूणा)" परियोजना के तहत यह टैगिंग किया गया । श्री. वी. मुरूगन, कनिष्ठ अनुसंधान अध्येता, चेन्नई बेस और डॉ. निमित कुमार, वैज्ञानिक, इनकोइस, हैदराबाद, ने जलयात्रा में भाग लिया ।

(श्री. वी. मुरूगन, क. अनुसंधान अध्येता, चेन्नई बेस द्वारा सूचित)

ख) भारत के पश्चिमी तट से दुर्लभ मिमिका बौबटेल स्क्विड युप्रिम्ना मोरसेइ (वेर्रील, 1881) की रिपोर्ट.

जलयान *एम एफ वी मत्स्य वर्षिनी* द्वारा माह जून और अगस्त 2017 में फिश ट्राल का उपयोग करके समन्वेवी सर्वेक्षण संचालित करते समय अक्षांश 9°45.5 'उ. देशांतर 76°06.35' पू और अक्षांश 9°49.6' उ, देशांतर 76°04.9' पू के बीच, 31 मी गहराई के कीचड़वाले बालू के तल से सेपिओलिडी परिवार का एक दुर्लभ स्क्विड *युप्रिम्ना मोरसेइ*, भारत के पश्चिमी तट से पहली बार दर्ज किया गया । क्नेडेरिअन (जैली फिश) और क्टिनोफोर (जैली कोंब/ कंघी) के साथ इसके तीन नमूने पाए गए ।

वर्ल्ड रजिस्ट्रार ऑफ मैरीन स्पीशीज (WoRMS, 2014) के अनुसार, दुनिया के विविध समुद्रों से अब तक 16 प्रजातियां रिपोर्ट की गई है। उपलब्ध साहित्य के अनुसार, इस प्रजाति (*इ. मोरसेई*) की प्राप्ति जापान तट, फिलीपीन्स, मालदीव, अंडमान सागर (गुडरीच, 1896) और सिलोन (होयल, 1904) से की गई है । भारतीय जल से इ. मोरसेई के वास्तविक आवास का यह पहला अभिलेख है ।

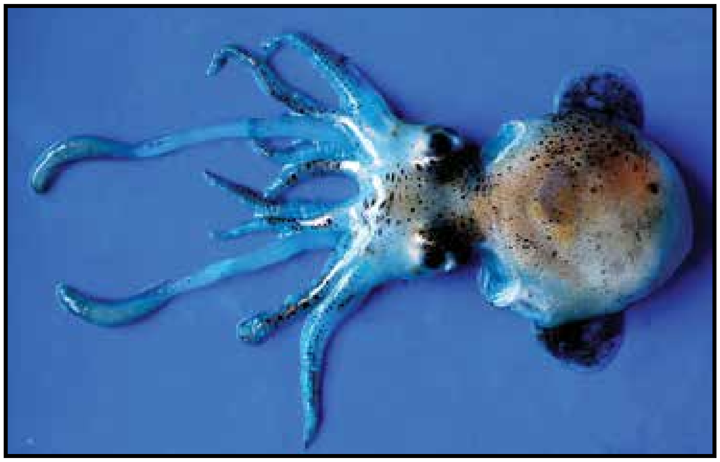

संरचनात्मक लक्षण-परिवार:

युप्रिम्ना-गुंबदाकार परपेंडीक्युलर ग्लेडीयस आवरण का न होना, पृष्ठीय आवरण सिर से जुडा हुआ/मिला हुआ, पंख छोटे अर्धगोलाकार, आवरण की लंबाई के आगे या पीछे की तरफ बाहर न जाने वाले । प्रजाति-*मोरसेइ*: पिछले भाग में पंखों के बीच बड़ा अंतर, पहले हाथ को छोड़कर सभी हाथ आवरण से लंबे (लेकिन बेर्रीयी में पहला हाथ भी आवरण की लंबाई से लंबा) स्पर्शक (टेंटकल) की लंबाई, आवरण की लंबाई से लगभग तीन गुना लंबा है जबकि *इ. बेर्रीयी* में वह दुगने से कम रिकार्ड की गई कुल लंबाई 139 मि.मी, आवरण की लंबाई 34 मी.मी, पंखों की लंबाई-17.5 मी.मी, पंखो की चौड़ाई-12.5 मि.मी, पहले हाथ की लंबाई-30 मि.मी., दूसरे हाथ की लंबाई-39.5 मि.मी. तीसरे हाथ की लंबाई-40 मि.मी., और चौथे हाथ की लंबाई-36.5 मि.मी., स्पर्शक की लंबाई-99 मि.मी., फनल की लंबाई-20 मि.मी. और नमूने का वजन 20.5 ग्राम था । इस वर्तमान प्रजाति की पुष्टि मोरमोमोई से की गई, जो होयल, (1886) के द्वारा किए गए नमूने के संरचनात्मक वर्णन से मेल खाती है । रीड और जेरेब (2005) के अनुसार, यह प्रजाति 40 मि.मी तक बड़ी हो सकती है ।

(डॉ. एस. रामचंद्रन, वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री. एन. उन्नीकृष्णन, कनिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री. ए. ई. अयूब, कनिष्ठ मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद् कोच्चिन बेस द्वारा सूचित)

ग) पिस्टल श्रिम्प की उपस्थिति

जलयान *एम.एफ.वी. मत्स्य वर्षिनी* द्वारा माह जून और अगस्त 2017 के दौरान दक्षिण पश्चिमी तट में अक्षांश 9°40.7' उ, देशांतर 76°05.8' पू, और अक्षांश 9°45.1' उ, देशांतर 76°03.6' पू के बीच के क्षेत्र से 33 मी. गहराई में किए गए तलमज्जी ट्रॉल सर्वेक्षण में *अलफिअस* परिवार के पिस्टल श्रिम्प की दो विभिन्न प्रजातियां ट्रॉल पकड़ में पाई गई । इन की पहचान अलफिडे परिवार की प्रजातियां *अलफिअस युफ्रोसिने* (डी मैन, 1897) और *अलफिअस* स्पिशीज फैब्रिषिअस, 1798 के रूप में की गई ।

अलफिअस युफ्रोसिने की दर्ज की गई आकारमिति-कवच की लंबाई-17 मि.मी., रोस्ट्रम की लंबाई-2.5 मि.मी., बड़े कील की लंबाई-19 मि.मी. और छोटे कील की लंबाई-16 मि.मी. थी । ताजा नमूनों के शरीर का रंग हल्के सफेद से हल्का पीला, साथ ही कवच और उदरीय खंडो की पिछले सिरे के पास काले पट्टे । कील बैंगनी थब्बों वाला ।

दूसरी प्रजाति, *अलफिअस* प्रजाति फैब्रिशिअस, (1798) को 60 से.मी. एक मूंगा पत्थर के एक टुकड़े से, संग्रहित किया गया । इस मूँगा पत्थर में बहुत सारे छेद थे जो न केवल श्रिम्प के लिए बल्कि अन्य प्रजातियों जैसे कि 25 मि. मी. कारापेस लंबाई के तीन केकडे, गोबिडे परिवार की एक मछली प्रजाति, पोलिकीट प्रजाति के लिए आश्रय प्रदान करता है । *अलफिअस* प्रजाति की जो आकारमिति दर्ज की गई है, वह इस प्रकार है कुल लंबाई-29.5 मि.मी. कवच की लंबाई-10 मि.मी., रोस्ट्रम की लंबाई-2.9 मि.मी. रोस्ट्रम कील (तल) की ऊँचाई-9 मि.मी., मुख्य कील की लंबाई-15 मि.मी., प्रोपोडस (पैर का मध्य भाग) की चौड़ाई-6 मि.मी., डैक्टिलस (पैर का अंतिम भाग) की लंबाई-56.5 मि.मी., मीरस (प्रोपोडस को शरीर से जोड़ने वाला भाग) की लंबाई-4.2 मि.मी., तीसरे पैर के मीरस की लंबाई-5 मि.मी. और उसकी चौड़ाई-0.5 मि.मी., टेलसन (पूंछ का मध्यभाग) 3.9 मि.मी. और उसका सिरा गोलाकार है ।

चित्र. 1 *अलफिअस युफ्रोसिने* (डी मैन, 1897)

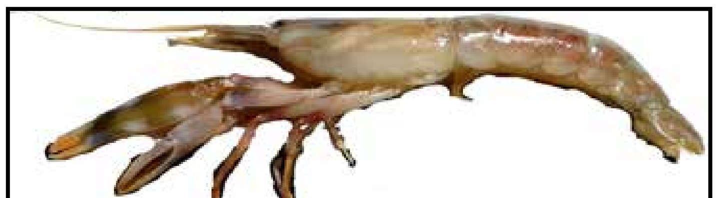

चित्र.2 *अलफिअस* स्पिशीज

पिस्टल झींगा (स्नेप्पिंग श्रिम्प) 2 से 7 से.मी. तक बड़े हो सकते है । उनके पास एक जोड़ी असाधारण बड़ा कीलेट (चिमटा) (चित्र-2) होता है जो एक बंदूक से भी ज्यादा जोर की आवाज निकाल सकता है । इसीलिए इन्हें पिस्टल (बंदूक) झींगा (श्रिम्प) कहा जाता है । उपलब्ध साहित्य के अनुसार ये झींगे अपने चिमटे-चटकाकर 218 डेसिबल्स की कड़कती आवाज निकालते है, जो कि बंदूक से भी ज्यादा जोरदार होती है, जिससे इनका शिकार सुन्न हो जाता है । दुनियाभर में स्नेप्पिंग श्रिम्प की लगभग 627 प्रजातियां दर्ज की गई है, जिनमें से 283 प्रजातियां केवल *अलफियस* फैब्रिषिअस, 1798 परिवार के तहत आती है। हाल ही में ली गई (2016) झींगों की जाँच सूची के अनुसार, भारत में अलफिडे परिवार के तहत आने वाले चार परिवारों की 23 प्रजातियां रिकार्ड की गई है, जिनमें से 15 प्रजातियां अलफियस परिवार की हैं ।

(डॉ. एस. रामचंद्रन, वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री. एन. उन्नीकृष्णन, कनिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री. ए. ई. अयूब, कनिष्ठ मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद् कोच्चिन बेस द्वारा सूचित)

घ) ट्रॉल सर्वेक्षण में दिखे ब्राक्युरन केकड़े

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के विशाखापट्टणम बेस से सम्बद्ध जलयान *एम एफ वी दर्शिनी* ने भारत के ऊपरी पूर्वी तट में अक्षांश 17°39.9 ’उ. से अक्षांश 18° 30.5’उ. और देशांतर 83° 29’पू. से 83° 59.6’पू. के बीच तलमज्जी ट्रॉल सर्वेक्षण किया । जलयात्रा में (मछलियों समेत) कुल 62 प्रजातियां दर्ज की गई जिनमें केंकड़े के छ: परिवार, पोर्टीनडे, गॅलेनिडे, मेनिप्पिडे, कॅर्लॉप्पिडे, क्झान्थिडे और ड्रोमिडे की 10 प्रजातियां भी शामिल थी । दर्ज की गई प्रजातियों का वर्णन नीचे दिया जाता है :-

1) प्रजाति - *पोर्चुनस पेलेजिकस* (लिन्निअस, 1758)

सामान्य नाम - ब्लू तैरनेवाला (स्विमिंग) केकड़ा

परिवार - पोर्चुनिडे

वर्णन - यह प्रजाति, खाडियों तथा 40 मी गहराई तक के अंर्तज्वारिय क्षेत्र (intertidal zone) में बालू और कीचड़ में रहती है । यह वाणिज्यिक रूप में महत्वपूर्ण है ।

आकारमितिय नाप - कवच की लंबाई: 1.25 से.मी., वजन: 85 ग्राम

पृष्ठीय दृश्य

उदर दृश्य

2) प्रजाति - *पोर्चुनस सैंग्वीनोलेन्टस* (हर्ब्स्ट, 1783)

सामान्य नाम - थ्री रेड स्पॉट तैरनेवाला (स्विमिंग) केकड़ा

परिवार - पोर्चुनिडे

वर्णन - यह प्रजाति अंर्तज्वारिय क्षेत्र में 40 मी गहराई तक बालू तथा कीचड़ में रहती है । भारत के पूर्वी और पश्चिमी तट पर यंत्रीकृत ट्रालिंग में भारी मात्रा में पकड़ी जाती है ।

आकारमितिय नाप - कवच की लंबाई: 4.0-6.5 से.मी., वजन : 35 से 75 ग्राम

पृष्ठीय दृश्य

उदर दृश्य

3) प्रजाति - *कैरिब्डिस फेरिएँटस* (लिन्निअस, 1758)

सामान्य नाम - क्रॉस तैरनेवाला (स्विमिंग) केकड़ा

परिवार - पोर्चुनिडे

वर्णन - यह प्रजाति हिंद और प्रशांत महासागर में वितरित है । इसके बड़े आकार, उच्च गुणवत्ता का मांस और अपेक्षाकृत नरम बाहय आवरण के कारण यह खाने में स्वादिष्ट है और इसका वाणिज्यिक मूल्य भी अधिक है । भारत के पूर्वी तट पर इसकी वाणिज्यिक पकड़ की जाती है ।

आकारमितिय नाप - कवच की लंबाई: 3.0 से 6.0 से.मी. वजन : 15 से 140 ग्राम

पृष्ठीय दृश्य

उदर दृश्य

4) प्रजाति - *कैरिब्डिस स्मिथी* (मैकलेइ, 1838)

सामान्य नाम - स्मिथ का तैरनेवाला (स्विमिंग) केकड़ा

परिवार - पोर्चुनिडे

वर्णन - यह प्रजाति मुख्यत: ट्रॉलर द्वारा, तटवर्ती और गहरे पानी, दोनों में भारी मात्रा में पकड़ी जाती है । शरीर में मांस होने के कारण ज्यादातर सूखे केंकड़ो का उपयोग कुक्कुट का खाना (पोल्ट्री फीड) बनाने के लिए किया जाता है ।

आकारमितिय नाप - कवच की लंबाई: 1.6-3.2 से.मी., वजन: 0.62-5.52 ग्राम

पृष्ठीय दृश्य

उदर दृश्य

5) **प्रजाति** - *पोडोफ्थॅल्मस विजिल* (फैब्रिशिअस, 1798)

सामान्य नाम - पहरेदार केंकड़ा

परिवार - पोर्चुनिडे

वर्णन - यह प्रजाति तट से दूर के पानी के नीचे कीचड़ वाली जमीन में रहती है । दुनियाभर में इस प्रजाति का वाणिज्यिक मूल्य अच्छा है ।

आकारमितिय नाप - कवच की लंबाई: 3.5-4.0 से.मी., वजन: 40-60 ग्राम

पृष्ठीय दृश्य

उदर दृश्य

6) **प्रजाति** - *गैलीन बाइस्पिनोसा* (हर्ब्स्ट, 1783)

सामान्य नाम - चौकोर कवचवाला केंकड़ा

परिवार - गैलेनिडे

वर्णन - यह प्रजाति उथले पानी से लेकर 100 मीटर गहरे पानी के नीचे वाली कीचड़वाली जमीन में रहती है । यह मुख्य रूप से बॉटम ट्रॉल द्वारा पकड़ी जाती है। तमिलनाडु और केरल में यह वाणिज्यिक स्तर पर पकड़ी जाती है । यह एक कम कीमतवाली उप पकड़ है जो मत्स्य चूर्ण उत्पादन में काम आती है ।

आकारमितिय नाप - कवच की लंबाई: 3.5-4.05 से.मी., वजन: 40-60 ग्राम

पृष्ठीय दृश्य

उदर दृश्य

7) **प्रजाति** - *मेनिप्पे रम्फीई* (फैब्रिषिअस, 1798)

सामान्य नाम - मैरून (लाल) पत्थर का केंकड़ा

परिवार - मैनिप्पिडे

वर्णन - यह प्रजाति प्रशांत महासागर से लेकर हिंद महासागर तक दुनियाभर में वितरित है । यह प्रजाति अंर्तज्वारिय पानी के बालू-कीचड़ वाली जमीन पर, ज्यादातर चट्टानों के नीचे पाई जाती है । कभी-कभार खाने के लिए पकड़ी जाती है जिसको हाथों से पकड़ा जाता है या फिर जालों या पिंजरों की मदद से पकड़ा जाता है । भारत के पूर्व और पश्चिम तट पर सामान्य रूप से पाए जाने के बावजूद इस क्षेत्र में इस प्रजाति की लक्षित मात्स्यिकी नहीं है ।

आकारमितिय नाप - कवच की लंबाई: 5.5 से.मी., वजन: 160 ग्राम

पृष्ठीय दृश्य

उदर दृश्य

8) **प्रजाति** - *कॅलॅप्पा लोफोस* (हर्ब्स्ट, 1785)

सामान्य नाम - सामान्य बोक्स केकड़ा

परिवार - कॅलॅप्पिडे

वर्णन - इस प्रजाति को 10 से 100 मी. की गहराई वाले क्षेत्र की बालू-कीचड़ वाली जमीन ज्यादा पसंद है । यह केकड़ा मुख्यत: ट्रॉलरों द्वारा, नितलस्थ जालों द्वारा या कभी-कभी पिंजरों द्वारा पकड़ा जाता है ।

आकारमितिय नाप - कवच की लंबाई: 4.0-5.5 से.मी., वजन : 45-55 ग्राम

पृष्ठीय दृश्य

उदर दृश्य

9) प्रजाति - लौरिड्रोमा डेहानी (राथबन, 1923)

सामान्य नाम - जापानी स्पोंज केकड़ा

परिवार - ड्रोमीडे

वर्णन - यह प्रजाति भारत के पूर्वी तट पर 50-150 गहराई वाले कीचड़ या बालू वाले जमीन पर रहती है ।

आकारमितिय नाप - कवच की लंबाई: 5.5-6.5 से.मी., वजन: 85-100 ग्राम

पृष्ठीय दृश्य

उदर दृश्य

10) प्रजाति - *लियागोर रूब्रोमेक्युलेटा* (डे हान, 1835)

सामान्य नाम - ब्राउन स्पॉटेड केकड़ा

परिवार - झान्थिडे

वर्णन - यह प्रजाति मूँगा चट्टानों या पथरीले किनारों पर और 15-30 मी की अधिकतम गहराई में रहती है और विशाखापट्टणम तट पर अभिलेखित की गई है ।

आकारमितिय नाप - कवच की लंबाई: 2.9 से.मी., वजन: 25 ग्राम

पृष्ठीय दृश्य

उदर दृश्य

11) प्रजाति - *सिला सेराटा* (फोस्कल, 1755)

सामान्य नाम - कीचड़ का केंकड़ा

परिवार - पोर्चुनिडे

वर्णन - यह प्रजाति बालू, कीचड़ और मॅन्ग्रोव्स में 30 मी. गहराई तक रहती है। वयस्क होने पर ये बिलों में रहते है । इसकी अधिकतम लंबाई 170 मि.मी. तक बढ़ती है । भारत में इनकी वाणिज्यिक रूप में पकड़ की जाती है ।

आकारमितिय नाप - कवच की लंबाई: 5.5 से.मी., वजन: 120.5 ग्राम

(डॉ. ए. बी. कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, विशाखापट्टणम बेस द्वारा सूचित)

पृष्ठीय दृश्य

उदर दृश्य

च) विशाखापट्टणम तट से बैन्डेड मेन्टीस झींगा की प्राप्ति

जलयान *एम एफ वी मत्स्य दर्शिनी* ने माह अगस्त 2017 में, 45.6 मी. एक्सपो मॉडल अधस्तल ट्रॉल का उपयोग करके तलमज्जी मत्स्य संसाधनो का सर्वेक्षण, निर्धारण और मॉनिटरिंग किया। जलयात्रा के दौरान अक्षांश 17°51.6' उ./देशांतर 83°44.7' पू. (भीमुनिपटनम के दक्षिण में) 52 मी. गहराई में *लिसीओस्क्वीलीडे* परिवार की प्रजाति *लिसीओस्क्वीला ट्रेडेसिमडेंटाटा* (गोल्डन मैंटीसं झिंगा) का एकमात्र नमूना अभिलेखित किया गया ।

दुनियाभर में मैंटीस झिंगों की 17 परिवार और 115 परिवारो की कुल 485 प्रजातियाँ अभिलेखित की गई है। (वर्ल्ड रजिस्ट्रार ऑफ मैरीन स्पिशीज, 2014) भारत में रिपोर्ट की गई 66 प्रजातियों में से 6 प्रजातियां आन्ध्र प्रदेश के तटीय जल से अभिलेखित की गई है ।

होलथुइस (1941) के अनुसार लि. *ट्रेडेसिमडेंटाटा* का वितरण येमेन (लाल सागर) से दक्षिण में मादागास्कर और दक्षिण अफ्रीका, भारत से पूर्व में थाइलैंड, वियतनाम, ताइवान, आस्ट्रेलिया, हवाई, जापान और इंडो-वेस्ट प्रशांत महासागर, भारत के पश्चिमी और पूर्वी तट तक है ।

(श्री एस. के. पटनायक, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, विशाखापट्टणम बेस द्वारा सूचित)

पृष्ठीय दृश्य उदर दृश्य

लिसीओस्क्वीला ट्रेडेसिमडेंटाटा (होलथुस, 1941)

II. बहिर्गमन एवं प्रशिक्षण :

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के गोवा बेस द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के गोवा बेस ने *"कर्नाटक तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन - विकास, संरक्षण एवं प्रबंधन हेतु स्थायी उपयोगिता"* विषय पर गंगोल एवं नजदीकी मछुआरे गाँव के स्थानीय मछुआरों के लाभ हेतु सर्वेक्षण परिणामों के प्रसारण हेतु दिनांक 08/08/2017 को नीलामी हाल, गंगोली मत्स्यन हार्बर, जिला-उडुपी, कर्नाटक में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया । श्री पी. पार्श्वनाथ, उप-निदेशक मात्स्यिकी, उडुपी, कर्नाटक सरकार इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे । कार्यशाला में कुल 126 मछुआरों और कर्मचारियों ने भाग लिया ।

चेन्नई एवं विशाखापट्टणम बेस द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला :

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के चेन्नई और विशाखापट्टणम बेसों द्वारा संयुक्त रूप से दिनांक 31/08/2017 को एक दिवसीय कार्यशाला और नुक्कड़ नाट्क का आयोजन किया गया । कार्यशाला का मुख्य विषय *"भारत के पूर्वीतट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन"* था और सम्बद्ध क्षेत्रों और भिमुनीपट्टनम के स्थानीय मछुआरों के लाभ हेतु" पूर्वीतट के सर्वेक्षण परिणामों पर सूचना प्रसारित करने हेतु *"उत्तरदायी मात्स्यिकी हेतु आचार संहिता"* पर एक नुक्कड़ नाट्क का आयोजन किया गया । कार्यशाला, कोथुरू, भिमुनीपट्टनम, आन्ध्र प्रदेश में मात्स्यिकी विभाग, आन्ध्र प्रदेश सरकार की सहायता से आयोजित की गई । डॉ. वी. शंकर राव, मात्स्यिकी के संयुक्त निदेशक, आन्ध्र प्रदेश सरकार, विषाखापट्टण इस अवसर पर मुख्य अतिथि रहें । श्री के. गोविन्दराज, व. मा. वैज्ञानिक, भा.मा.स. विशाखापट्टणम बेस ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की । श्री ए. टिबुरषियस, व.मा.वैज्ञानिक भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के चेन्नई बेस ने सदस्यों का सम्मान किया । श्री जी. येल्लैय्या अध्यक्ष मछुआरा को-आपरेटिव सोसायटी, मंगामारीपेटा और श्री पी सतिराजू, अध्यक्ष, समुद्री मछुआरा को आपरेटिव सोसायटी, कोथुरू सम्मानित अतिथि थे । श्री के. गोविन्दराज, व.मा.वैज्ञानिक ने मुख्य भाषण दिये । श्री सी. धनुंजयराव, यांत्रिक समुद्री अभियन्ता ने सभी का स्वागत किया और श्री जी. लक्ष्मणराव, सहायक मात्स्यिकी निदेशक, आन्ध्र प्रदेश सरकार, विशाखापट्टणम ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया ।

उद्घाटन समारोह के बाद तकनीकी सत्र प्रारंभ हुआ । श्री जी.वी.ए. प्रसाद, कनिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने "भारत के पूर्वीतट की समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया । श्री. सी. बाबू, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक,

भा.मा.स. चेन्नई बेस ने "भारत के पूर्वीतट की टूना मात्स्यिकी संसाधनों की प्रचुरता एवं वितरण" विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया और श्री एन. जगन्नाथ, क.मा. वैज्ञानिक, भा.मा.स. विशाखापट्टणम एवं डॉ ए. जॉन चेम्बियन, क.मा. वैज्ञानिक ने "टूना मछली को संभालना और संरक्षण" विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया। कार्यशाला के दौरान, समुद्री मात्स्यिकी प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जहाँ पर चार्टों, भा.मा.स. के क्रियाकलापों, मात्स्यिकी संसाधनों को दर्शाते हुए फोटोग्राफ्स एवं पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन गियरों को भी प्रदर्शित किया ।

उसी दिन शाम को "उत्तरदायी मात्स्यिकी हेतु आचार-संहिता" विषय पर मछुआरों के गाँव, मंगामारी पेटा, भिमुनीपट्टनम, आन्ध्रप्रदेश में स्थायी दोहन हेतु संसाधनों के संरक्षण के लिए मछुआरों में जागरूकता पैदा करने हेतु एक नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया।

मुम्बई बेस द्वारा क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन

स्थानीय मछुआरों के लाभ हेतु दिनांक 15/09/2017 को कम्युनिटी हॉल, साउदवाड़ी, दीव (केंद्रशासित प्रदेश दमन व दीव) में "दीवतट के समुद्री

मात्स्यिकी संसाधन और मछली पकड़ने के विविध तरीके *"विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला व प्रदर्शनी"* का आयोजन किया गया । श्री हेमंत कुमार, भा.प्र.से, जिलाधीश, दीव, मुख्य अतिथि थे और डॉ एल. रामालिंगम, क्षेत्रीय निदेशक, भा.मा.स. मुंबई बेस ने मुख्य भाषण दिये । श्रीमती अश्विनी बेन भरत, प्रभारी अध्यक्ष, जिला पंचायत, श्री वीरजी लक्ष्मण सिकोत्रिया, संरपच, वनकाबारा ग्राम, श्रीमती दिवाली बेन रतिलाल, सरपंच, साउदवाड़ी ग्राम और डॉ. अपूर्व शर्मा उपजिलाधीश एवं एच.ओ. मात्स्यिकी दीव सम्मानीत अतिथि थे । कुल 125 मछुआरे, बोट मालिकों एवं मात्स्यिकी विभाग के अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया ।

मुंबई बेस द्वारा खुला- मंच का आयोजन

जलयान *एम.एफ.वी मत्स्य वृष्टि* एवं *एम.एफ.वी. मत्स्य निरीक्षणी,* (इंदिरा डॉक, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट, मुंबई पर स्थित) दिनांक 05/07/2017 को "समुद्री मात्स्यिकी" विषय पर खुला-मंच का आयोजन किया गया । खुला-मंच एवं प्रदर्शनी का उद्‌घाटन डॉ. एल. रामालिंगम, क्षेत्रीय निदेशक, मुंबई बेस, भा.मा.स. द्वारा किया गया । कार्यक्रम के दौरान, सागरी सुरक्षा, आधुनिक मत्स्यन प्रौद्योगिकियों, गियरों, भा.मा.स. के जलयानों पर नौवहन उपकरणों और महाराष्ट्र तट की समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों के बारे में प्रकाश डाला गया । महर्षि दयानन्द कॉलेज कला, विज्ञान एवं वाणिज्य परेल, एवं विल्सन कालेज, गिरगाँव के कुल 52 विज्ञान के छात्रों एवं 07 संकाय सदस्यों ने भा.मा.स. के जलयानों का दौरा

किया और खुला-मंच में भाग लिया । भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के मुंबई बेस के वैज्ञानिकों, अभियंताओं और जलयान कर्मियों ने जलयानों पर प्रतिभागियों को सूचनाएं प्रदान की ।

मार्मुगोवा बेस द्वारा खुला-मंच का आयोजन

धेम्पे कला एवं विज्ञान कॉलेज, पणजी, गोवा के छात्रों के लिए एक दिवसीय, "खुला-मंच" का आयोजन किया गया । अध्ययन भ्रमण के अंतर्गत, दिनांक 24/07/2017 को बी.एस.सी. (प्राणी विज्ञान) के अंतिम वर्ष के कुल 16 छात्रों और एक संकाय सदस्य ने मार्मुगोवा बेस का दौरा किया । छात्रों को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के क्रियाकलापों, गोवा तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों और पर्यावरण-अनुकूल मत्स्यन विधियों के बारे में पावर प्वाइंट के माध्यम से परिचित कराया गया । कार्यक्रम के दौरान, गियर मॉडलों का प्रदर्शन, मात्स्यिकी चार्टो इत्यादि और भा.मा.स. के वृत्त-चित्र के प्रदर्शन की भी व्यवस्था की गई ।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (मुख्यालय) द्वारा इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (मुख्यालय) मुम्बई ने भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुख्यालय के सम्मेलन कक्ष में दिनांक 27-28 जुलाई 2017 के दौरान *"समुद्र में सुरक्षा और प्रशीतन, ईंधन बचत के विशेष संदर्भ के साथ जलयानों का रखरखाव व प्रबंधन"* विषय पर दो दिवसीय इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया । यह प्रशिक्षण कार्यक्रम, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के, सेवा अभियंताओं और यांत्रिक समुद्री अभियंताओं हेतु विशेष रूप से अभिकल्पित किया गया था । कैप्टन मिहिर चंद्र, निदेशक, टी.एस. चाणक्य, मुख्य अतिथि थे और प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्‌घाटन भी किया । विभिन्न संस्थानों जैसे- टी.एस. चाणक्य, शिंपिग कार्पोरेशन ऑफ इंडिया, (एस सी आई) राष्ट्रीय सूचना केंद्र (एन आई सी), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई टी-मुंबई) से विषय विशेषज्ञ और सिगमा पेन्टस से विशेषज्ञों, को प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान उनके प्रभाव क्षेत्र में व्यारव्यान देने हेतु आमंत्रित किए गए ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान "पेटा (नाव का निचला तल) के रखरखाव, रंगाई-पुताई, समुद्र में सुरक्षा, भारतीय परिप्रेक्ष्य में समुद्री कानून, आई सी इंजनों

की ईधन क्षमता, उत्सर्जन के कारण समुद्री प्रदूषण, खरीद प्रक्रियाओं, नौवहन हेतु इलेक्ट्रोनिक संचार और वर्ग अनुमोदनानुसार और जलयान पर प्रशीतन तंत्र एवं विस्फोटक हिमीकरण विषय पर चर्चाए हुई ।

प्रो. मिलिन्द वी. राने, आई आई टी-मुंबई, दिनांक 28/07/2017 को आयोजित समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे । भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के सभी बेस कार्यालयों से कुल 14 अभियंताओं ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिए।

टूना लॉगलाइन पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण द्वारा *"परम्परागत मछुआरों को टूना लॉगलाइन"* पर अयोजित प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण पर पाँचवें चरण का प्रशिक्षण कार्यक्रम को राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड, हैदराबाद द्वारा वित्त-पोषित प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । दिनांक 07/09/2017 से 11/09/2017 के दौरान तमिलनाडु के पाँच मछुआरों को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों द्वारा जलयान पर प्रदर्शन व व्यारव्यान भी प्रदान किया गया ।

III. आगन्तुकों का दौरा:

मात्स्यिकी विज्ञान महाविद्यालय, श्री वेंकटेश्वरा पशुचिकित्सा विद्यालय नेल्लोर, आंधप्रदेश के कुल 27 छात्र और दो कर्मचारियों ने दिनांक 03/07/2017 को भा.मा.स. (मुख्यालय) एवं मुम्बई बेस का दौरा किया ।

- डॉ. पी. पॉल पांडियन, मात्स्यिकी विकास आयुक्त, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, पशुपालन, डेयरी एंव मात्स्यिकी विभाग, नई दिल्ली ने दिनांक 15/07/2017 को विशाखापट्टणम बेस का दौरा किया । उन्होंने दौरे के दौरान, बेस की क्रियाकलापों की समीक्षा की । उन्होंने बेस से जुड़े दोनों जलयानों *एम एफ वी मत्स्य दर्शिनी* एवं एम एफ वी मत्स्य शिकारी पर भी दौरा किया ।
- श्री जोस फ्रांसिस्को डिसूजा, वास्को द गामा ने जलयान *एम एफ वी सागरिका* के, ओटरबोर्ड के अभिकल्प का विस्तृत विवरण माँगने हेतु दिनांक 14/07/2017 और 25/07/2017 को मार्मुगोवा बेस का दौरा किया ।
- श्री देवेन्द्र चौधरी, भा. प्रा. स. सचिव, पशुपालन, डेयरी एवं मात्स्यिकी विभाग, कृषि एंव किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली ने दिनांक 22/07/2017 को कोच्चि बेस व समुद्री अभियांत्रिकी प्रभाग का दौरा किया।
- श्रीमती सन्चिलियारा फरिया, एसोसिएट प्रोफेसर, एम ई एस कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, जुआरीनगर, गोवा ने भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण की क्रियाकलापों और गोवा तट की समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों, परम्परागत मत्स्यन बोटों से सम्बधित जानकारी प्राप्त करने के लिए 20/09/2017 को मार्मुगोवा बेस का दौरा किया ।
- डॉ. आर. के. सारन्गी, वैज्ञानिक, अंतरिक्ष उपयोग केंद्र, (सैक) अहमदाबाद ने दिनांक 27/07/2017 को भा.मा.स के साथ अंतरिक्ष उपयोग केंद्र- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का सहयोगी परियोजना 'समुद्रा' पी.एफ. झेड के बारे में चर्चा हेतु चेन्नई बेस का दौरा किया ।
- सुश्री राजश्री सोलंकी, प्रेम पुनीता-एनजीओ, मुम्बई ने दिनांक 31/07/2017 को महाराष्ट्र राज्य के स्थानीय मछुआरों पर आकड़ा एकत्रित करने हेतु भा. मा. स., मुख्यालय का दौरा किया ।
- श्री एस शिव कुमार हिगिस्ते, किस्त वित्त, मुम्बई, विराज बेलोसे तन्मय शिपिंग से तथा श्री ललेष खैरनार, तेरना कालेज, नवीं मुम्बई से दिनांक 03/08/2017 को समुद्री मत्स्यन एवं जलकृषि व्यवसाय में सम्मिलित विभिन्न एजेन्सियों और जलकृषि पर सूचना एकत्र करने हेतु भा. मा. स., मुख्यालय का दौरा किया ।
- श्री संतोष कदम, समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण, ने दिनांक 04/08/2017 को परम्परागत मछुआरों के लाभार्थ भा.मा.स के जलयानो पर टूना लागँलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन पर सूचना एकत्र करने हेतु भा.मा.स (मुख्यालय) का दौरा किया ।

- श्री रोहित माथुर, निदेशक (वित्त), पशुपालन, डेयरी व मात्स्यिकी विभाग, कृषि एंव किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली ने दिनांक 11/08/2017 को समुद्री अभियांत्रिकी प्रभाग, कोच्चि, सर्वेक्षण जलयानों और समुद्री अभियांत्रिकी प्रभाग स्लिपवे का दौरा किया ।
- श्रीमती रूपा पटेल और श्री निर्भय पटेल, मुम्बई ने दिनांक 14/08/2017 को भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र के बाहर भारतीय फ्लैग जलयानों के परिचालन हेतु औपचारिकताओं पर सूचना प्राप्त करने हेतु भा.मा.स (मुख्यालय) का दौरा किया ।
- डॉ. रमणेस्वरी, एसोसिएट प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, प्राणिविज्ञान विभाग, आदिकवि नान्या विश्वविद्यालय, राजमहेन्द्रवरम, पूर्व गोदावरी जिला, आन्ध्रप्रदेश ने एम. एससी द्वितीय वर्ष के जलकृषि एवं प्राणिविज्ञान के 32 छात्रो के साथ दिनांक 19/09/2017 को जलयान *एम.एफ.वी मत्स्य शिकारी* और *एम.एफ.वी मत्स्य दर्शिनी* का दौरा किया ।
- श्री निर्मल दुबे, अनुसंधान अधिकारी (अधिकारी प्रभारी) क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन कार्यालय, कोलकाता ने दिनांक 28/07/2017 को पोर्ट ब्लेयर बेस में राजभाषा कार्यान्वयन की स्थिति का निरीक्षण किया ।

IV) राजभाषा का कार्यान्वयन:

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें (ओलिक)

श्री महेश कुमार फरेजिया, महानिदेशक (प्रभारी) की अध्यक्षता में दिनांक 03/08/2017 को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुख्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही प्रगति समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई ।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के चेन्नई बेस की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक, दिनांक 25/07/2017 को सम्पन्न हुई ।

दिनांक 04/08/2017 को पोर्ट ब्लेयर बेस में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की समीक्षा बैठक संपन्न हुई ।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (TOLIC) की बैठक

डॉ. सिजो पी. वर्गीस, वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने श्री शाहनव़ाज, कनिष्ठ हिंदी अनुवादक के साथ दिनांक 28/07/2017 को केरी, पोर्टब्लेयर में आयोजित अर्धवार्षिक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में भाग लिया । जहाँपर पोर्टब्लेयर में स्थित सभी केंद्रीय सरकारी कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन में पोर्ट ब्लेयर बेस को तृतीय पुरस्कार से पुरस्कृत किया । इस संबंध में बेस कों शील्ड एवं "स्मृति प्रमाण-पत्र" प्रदान किया ।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (मुख्यालय) एवं बेस कार्यालयों द्वारा आयोजित हिंदी कार्यशालाए

- भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (मु.) मुम्बई में दिनांक 22/09/2017 को हिंदी में कार्य करने हेतु कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया । श्री दामोधर गौड़, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, मुम्बई को "हिंदी में पत्राचार" विषय पर व्याख्यान देने हेतु आमत्रिंत किया गया । कार्यशाला में कुल बीस कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया ।
- मार्मुगोवा बेस में दिनांक 20/09/2017 को 'यूनिकोड' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया । डाँ. (श्रीमती) शुभ्रता मिश्रा, फ्रीलैन्स हिंदी लेखक, विषय-विशेषज्ञ थे । अधिकारियो एवं कर्मचारियों ने कार्यशाला में तन्मयता से भाग लिया । श्री एस. के. जैसवाल, यांत्रिक समुद्री अभियन्ता ने सभी का स्वागत किया और सभी कर्मचारियों से आग्रह किया कि अपने व्यक्तिगत जीवन एवं दैनन्दिनी क्रियाकलापों में

अर्जित ज्ञान का समुचित उपयोग करें ।

- कोच्चिन बेस के कर्मचारियों के लिए 26.09.2017 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया । श्रीमती उर्मिला के. के, सहायक निदेशक (राजभाषा) सेवा निवृत्त, एनपीओएल, कार्यशाला के विषय-विशेषज्ञ थी । कार्यशाला में कुल 15 कर्मचारियों ने भाग लिया । श्रीमती लीना टी.पी. कनिष्ठ अनुवादक ने कर्मचारियों के लिए हिंदी बोलचाल में प्रशिक्षण भी प्रदान किया ।
- विशाखापट्टणम बेस ने दिनांक 27/09/2017 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया । श्रीमती पी. उमारानी, मुख्य प्रबन्धक (राजभाषा), भारतीय स्टेट बैंक, प्रशासनिक कार्यालय, विशाखापट्टणम, विषय-विशेषज्ञ थी । उन्होंने, सरकारी कार्यो में हिंदी का दिन-प्रतिदिन उपयोगिता और राजभाषा हिंदी के विभिन्न पहलुओं पर व्यारव्यान दिया । उन्होंने बेस द्वारा राजभाषा के कार्यान्वयन को भी सराहा ।
- पोर्टब्लेयर बेस ने दिनांक 19/09/2017 को एकदिवसीय कार्याशाला का आयोजन किया जिसमें श्री धर्मवीर सिंह, यांत्रिक समुद्री अभियंता

विषय-विशेषज्ञ थे । उन्होंने राजभाषा का महत्व, उसका कार्यान्वयन और कार्यालय में हिंदी की दिन-प्रतिदिन उपयोगिता के बारे में प्रतिभागियों को बताया ।

- भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुम्बई बेस द्वारा दिनांक 18/08/2017 को "हिंदी में पत्राचार और अभ्यास" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई । श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, कनिष्ठ अनुवादक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (मु.) मुम्बई विषय विशेषज्ञ थी और उन्होंने कार्यालय में दिन-प्रतिदिन कार्यालयीन कामकाज में हिंदी पत्राचार के महत्व पर व्याख्यान दिया । कार्यशाला में बेस के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया ।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुम्बई (मुख्यालय) व बेस कार्यालयों में हिंदी दिवस और हिंदी पखवाड़ा का आयोजन

मुख्यालय:

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुंबई (मुख्यालय) ने दिनांक 14/09/2017 को हिंदी दिवस और दिनांक 14-28 सितंबर तक हिंदी पखवाड़ा का अयोजन किया ।

श्री महेश कुमार फरेज़िया, महानिदेशक (प्रभारी) की अध्यक्षता में भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (मुख्यालय) में दिनांक 14/09/2017 को "हिंदी दिवस" एवं "हिंदी पखवाड़े" का उद्घाटन किया । उद्घाटन सम्बोधन के दौरान, उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अनुरोध किया कि सभी प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग ले और पुरस्कार प्राप्त करें । श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव ने माननीय गृहमंत्री, श्री राजनाथ सिंह द्वारा प्राप्त संदेश को पढ़ा । संदेश में, माननीय मंत्री जी ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अनुरोध किया कि मूल रूप में हिंदी में ज्यादा से ज्यादा कार्य करें । पखवाड़े के दौरान, पाँच प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिसमें हिंदी निबंध लेखन, तकनीकी शब्दावली, हिंदी श्रृतलेखन, अनुवाद, अंताक्षारी और हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिताएं सम्मिलित थी । लगभग पच्चीस कर्मचारियों ने उत्साह एवं उमंग के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया ।

हिंदी पखवाड़े का समापन समारोह दिनांक 28/09/2017 को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (मुख्यालय) में आयोजित किया गया और श्री महेश कुमार फरेजिया, महानिदेशक (प्रभारी) ने इसकी अध्यक्षता की । कार्यक्रम की शुरूआत, श्री संजीव कुमार सिंह, आशुलिपिक श्रेणी-II के स्वागत भाषण से प्रारंभ हुआ । उसी दिन हिंदी कविता पाठ का आयोजन भी किया गया । डॉ. सुशील कुमार शर्मा, उप-महाप्रबंधक (राजभाषा), पश्चिम रेलवे और सचिव नगर राजभाषा कार्यान्वियन समिति, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे । डॉ सुशील कुमार शर्मा, ने संपर्क भाषा के रूप में राजभाषा हिंदी की वृद्धि पर प्रकाश डाला और राजभाषा को लागू करने के लिए कुछ दिशानिर्देश भी बताए । उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि कार्यालयी कामकाज में हिंदी के प्रचलित शब्दों का प्रयोग करें । कार्यक्रम का समापन श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, कनिष्ठ अनुवादक के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ ।

मुम्बई बेस:

"हिंदी दिवस" कार्यक्रम का उद्घाटन श्री बी. बालानायक, सेवा अभियंता (यांत्रिक) ने किया । पखवाड़ों के दौरान कुल पाँच प्रतियोगिताएँ जैसे निबंध

लेखन, हिंदी श्रृतलेखन, सामान्य ज्ञान, हिंदी मसौदा व टिप्पणी, हिंदी अंताक्षारी, आयोजित की गई । कुल 25 कर्मचारियों ने प्रतियोगिताओं में भाग लिया । हिंदी पखवाड़े का समापन समारोह दिनांक 29/09/2017 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत डॉं एल. रामालिंगम, क्षेत्रीय निर्देषक के स्वागत भाषण से शुरू हुआ । श्री नरेश कुमार, सहायक निदेशक, केंद्रीय अनुवाद ब्युरो बेलापुर, मुख्य अतिथि थे । कार्यक्रम के दौरान, विविध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किये गए ।

मार्मुगोवा बेस:

मार्मुगोवा बेस दिनांक 14-29 सितम्बर 2017 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया । कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. वागीश पाण्डेय, प्रभारी, केंद्रीय समेकित कीटनाशक प्रबंधन, केंद्र, हार्बर, गोवा ने किया । श्री कैप्टन मनोज जोशी, हार्बर मास्टर, एमपीटी, गोवा समापन दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि थे और उन्होंने पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये ।

कोच्चिन बेस:

कोच्चिन बेस द्वारा दिनांक 14/09/2017 से 28/09/2017 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया । विभिन्न प्रतियोगिताए जैसे- हिंदी प्रश्नोत्तरी, हिंदी समाचार वाचन, निंबध लेखन, हस्त लेखन इत्यादि आयोजित की गई । डॉ जय सिंह मीना, निदेशक (प्रभारी) निफफट्, कोच्चि समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे । उन्होंने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये ।

चेन्नई बेस:

हिंदी पखवाड़े का आयोजन दिनांक 01/09/2017 से 14/09/2017 तक किया गया । इस अवधि के दौरान अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई ।

अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया और विजेताओं को पुरस्कार से सम्मानित किया । इस समारोह में श्री ए. के. चौधरी, यांत्रिक समुद्री अभियंता, सिफ्नेट, चेन्नई, मुख्य अतिथि रहें ।

विशाखापटटणम बेस:

विशाखापटटणम बेस में दिनांक 11-25 सितम्बर 2017 तक हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया । पखवाड़ा आयोजन के दौरान कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के लिए विविध प्रतियोगिताए जैसे - मूलपाठ की नकल, टिप्पणी लेखन, तत्काल भाषण, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता इत्यादि का

आयोजन किया गया । श्री के. प्रभाकर सहायक आयुक्त पुलिस (ट्रैफिक), विशाखापटट्णम शहर, दिनांक 25/09/2017 को आयोजित समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे । उन्होंने, विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये ।

पोर्ट ब्लेयर बेस:

पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा हिंदी पखवाड़ा दिनांक 13/09/2017 से 27/09/2017 के दौरान आयोजित किया गया। डॉ. सिजो पी. वर्गीस, वरिष्ठ मा. वैज्ञानिक ने दिनांक 14/09/2017 को परम्परागत द्वीप प्रज्जवलित करके कार्यक्रम का उद्घघाटन किया । 14 सितम्बर 2017 को एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सभी अधिकारी और कर्मचारियों ने भाग लिया। दिनांक 27/09/2017 को हिंदी पखवाड़े का समापन समारोह आयोजित किया गया । श्री महेन्द्र प्रताप मिश्र, हिंदी अधिकारी, बीएसएनएल, पोर्ट ब्लेयर, मुख्य अतिथि थे । समापन समारोह के दौरान तत्काल भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । मुख्य अतिथि ने पखवाड़े के दौरान विभिन्न आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये ।

(V) बैठकों/सम्मेलनों में महानिदेशक (प्रभारी) की भागीदारी:

- राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड, हैदराबाद में दिनांक 29/07/2017 को "कार्यपालिका समिति बैठक के दौरान" आकड़ा बेस का सुदृढ़ीकरण और भौगोलिक सूचना तंत्र" पर चर्चा में भाग लिया ।
- भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का कोच्चि बेस, कोच्चिन में दिनांक 27/09/2017 को आयोजित परिचालन और वैज्ञानिक क्रियाकलापों की अर्द्धवार्षिक समीक्षा बैठक में भाग लिया ।

(VI) प्रशिक्षण / संगोष्ठी / कार्यशाला / परिसंवाद / बैठकों सम्मेलनों में भागीदारी

- डॉ. एस. रामाचन्द्रन व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने एमपीईडा (मुख्यालय) कोच्चि में दिनांक 06/07/2017 को आयोजित मछली भण्डार और मूल्यांकन पर बैठक में भाग लिया ।
- डॉ. एस. रामाचन्द्रन व. मा. वैज्ञानिक ने केंद्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान कोच्चि द्वारा आयोजित अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह में टूना मात्स्यिकी के विकास पर स्टेक होल्डर मीट में भाग लिया ।
- श्री के. गोविंदराज, व. मा. वैज्ञानिक और श्री सी. धनुंजय राव, यांत्रिक समुद्री अभियंता ने दिनांक 14/07/2017 को केंद्रीय मात्स्यिकी नाविकी एवं अभियांत्रिकी प्रशिक्षण संस्थान, कोच्चि के वार्षिक दिवस समारोह में भाग लिया ।
- श्री के. वेन्कटेश्वर राव, प्रवर श्रेणी लिपिक ने दिनांक 24-28 जुलाई 2017 के दौरान हिंदी शिक्षण योजना स्वर्ण जयंती भवन, विशाखापट्टणम में कम्पयूटर पर हिंदी में काम पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- श्री एन. उन्नीकृष्णनन, क. मा. वैज्ञानिक और ए. ई. अयूब, कनिष्ठ मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद् ने दिनांक 25 से 27 जुलाई 2017 के दौरान, मात्स्यिकी विभाग, मैरीन ड्राइव, एर्नाकुलम द्वारा आयोजित मत्स्योलसवम् 2017 सहित प्रदर्शनों में भाग लिया और दुर्लभ / गैर-परम्परागत गहरे समुद्री मछलियों, मत्स्यन गियरों के मॉडल, मात्स्यिकी चार्टों इत्यादि को प्रदर्शित किया ।
- श्री सी. धनुंजय राव, यांत्रिकी समुद्री अभियंता सहित श्री एस. पाषा, यांत्रिक पर्यवेक्षक (वरिष्ठ) ने भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुम्बई मुख्यालय में दिनांक 27-28 जुलाई 2017 के दौरान आयोजित इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम सागरीय सुरक्षा प्रशीतन, ईंधन खपत की विशिष्टता सहित जलयानों का रख-रखाव और प्रबंध विषय पर भाग लिया ।
- श्री सी. धनुंजय राव, यांत्रिक समुद्री अभियंता ने दिनांक 03/08/2017 को केंद्रीय मात्स्यिकी नाविकी एवं अभियान्त्रिकी प्रशिक्षण संस्थान के इंजन प्रशिक्षणार्थियों हेतु पाठक्रम में बदलाव के संदर्भ में बैठक में भाग लिया।
- मुख्यालय और मुम्बई बेस के वैज्ञानिकों ने भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (मुख्यालय) मुम्बई के सम्मेलन कक्ष में दिनांक 04/08/2017 को आयोजित श्रिम्प नियांत विषय पर बैठक में भाग लिया ।
- डॉ सिजो पी. वर्गीस, व. मा. वैज्ञानिक ने सचिवालय, अण्डमान व निकोबार प्रशासन, पोर्ट ब्लेयर में दिनांक 07/08/2017 को संभाव्य मत्स्यन क्षेत्र (पी एफ जेड) पर सूचना के प्रसारण के बारे में चर्चा बैठक में भाग लिया ।
- श्री स्वप्निल एस शिरके, व. वैज्ञानिक सहायक, प्रत्युष दास, कनि मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद और श्री नशाद एम. व. वैज्ञानिक सहायक ने दिनांक 11/08/2017 को भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के सम्मेलन कक्ष में श्री नवीन कुमार निगम और श्री हिमाद्रि शेखर मंडल, अनुसंधान छात्र द्वारा प्रस्तुत पूर्व-विषय संक्षेप प्रदर्शन में भाग लिया ।
- डॉ सिजो पी. वर्गीस, व. मा. वैज्ञानिक ने दिनांक 16/08/2017 को अण्डमान व निकोबार जल में मछली मुख्यभूमि आधारित टूना मत्स्यन उद्योग को आमंत्रण हेतु प्रतिमानो पर चर्चा हेतु अण्डमान व निकोबार प्रशासन सचिवालय, मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में भाग लिया ।
- श्री स्वप्निल एस शिरके, व. वैज्ञानिक सहायक और श्री नशाद एम. वी. वैज्ञानिक सहायक ने दिनांक 16/08/2017 को भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के सम्मेलन कक्ष में श्री श्रीराज द्वारा प्रस्तुत पूर्व विषय संक्षेप प्रदर्शन में भाग लिया ।
- श्री स्वप्निल एस शिरके की वैज्ञानिक सहायक और श्री नशद एम. व. वैज्ञानिक सहायक ने दिनांक 21/08/2017 को श्री सिपाना राजेन्द्र द्वारा प्रस्तुत पूर्व विषय संक्षेप प्रदर्शन में भाग लिया ।

- डॉ सिजो पी. वर्गीस, व. मा. वैज्ञानिक ने दिनांक 21/08/2017 को भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के आडिटोरियम में न्यू मछली बाजार का आधारशिला समारोह मोहनपूरा मछली बाजार, पोर्ट ब्लेयर में भाग लिया।
- श्री जी. वी. ए प्रसाद कनि. मा. वैज्ञानिक ने दिनांक 21-23/08/2017 के दौरान आन्ध्र प्रदेश मानव संसाधन विकास संस्थान (ए वी एस आर डी आई) बापतला, गुन्टुर जिला, आन्ध्र प्रदेश द्वारा आयोजित कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र में आई ओटी पर तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण-कार्यक्रम में विशेषज्ञ रूप में भाग लिया । जहाँ पर उन्होंने भारत के पूर्वीतट की समुद्री मात्स्यिकी संसाधानों पर प्रस्तुतीकरण भी दिया ।
- श्री धरमवीर सिंह, यांत्रिक समुद्री अभियंता ने दिनांक 29/08/2017 को अण्डमान लक्ष्यद्वीप हार्बर वर्कस, पोर्ट ब्लेयर के सम्मेलन कक्ष में केंद्रीय सरकारी कर्मचारी कल्याण समन्वय समिति की जनरल बोडी बैठक में भाग लिया ।
- डॉ देवानन्द उइके, व. वैज्ञानिक सहायक ने दिनांक 15/09/2017 को दूरदर्शन केंद्र मुम्बई में कृषि विस्तार हेतु सामूहिक मीडिया समर्थन पर दूरदर्शन की मुम्बई कृषि दर्शन कार्यक्रम के अन्तर्गत त्रैमासिक कृषि सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया ।

प्रशासनिक समाचार

नियुक्ति

- श्री शेखावत हुसैन को स्टेनोग्राफर ग्रेड-II के पद में दिनांक 03/07/2017 से नियुक्त किया गया और भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (मुख्यालय) मुम्बई में तैनात किया गया ।
- श्री हेमंत को स्टेनोग्राफर ग्रेड- II के पद में दिनांक 22/08/2017 से नियुक्त किया गया और भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के मुंबई बेस में तैनात किया गया ।
- श्री योगेन्द्र को स्टेनोग्राफर ग्रेड- II के पद में दिनांक 24/08/2017 से नियुक्त किया गया और भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के चेन्नई बेस में तैनात किया गया ।

पदोन्नति / स्थानान्तरण

- श्री ए. लारेन्स, मुख्य अभियंता, ग्रेड- II को चेन्नई बेस से भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के पोर्ट ब्लेयर बेस में दिनांक 05/07/2017 को स्थानान्तरित किया गया और दिनांक 03/08/2017 को कार्यभार ग्रहण किया ।
- श्री मुत्थु कुमार, मैरीन इलेक्ट्रिशियन को पोर्ट ब्लेयर बेस से भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के विशाखापट्टणम बेस में दिनांक 11/09/2017 को स्थानान्तरित किया गया और दिनांक 14/09/2017 को कार्यभार ग्रहण किया ।
- श्री आर. येरानायडू, मैरीन इलेक्ट्रिशियन को विशाखापट्टणम बेस से भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के पोर्ट ब्लेयर बेस में दिनांक 14/09/2017 को स्थानान्तरित किया गया और दिनांक 18/09/2017 को कार्यभार ग्रहण किया ।

सेवानिवृत्ति :

- श्री बोबन जोशी, बहुकार्मिक कर्मचारी, मार्मुगोवा बेस, अधिवर्षिता पर सेवा से दिनांक 31/08/2017 को सेवानिवृत्त हुए ।

- श्री जे. सी. मोंडल, व.नाविक तथा रसोइया, मुंबई बेस, अधिवर्षिता पर सेवा से दिनांक 30/09/2017 को सेवानिवृत्त हुए ।

स्वच्छता ही सेवा अभियान

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुख्यालय और बेस कार्यालयों द्वारा "स्वच्छता ही सेवा अभियान" का आयोजन दिनांक 15/09/2017 से 02/10/2017 के दौरान किया गया। स्वच्छता ही सेवा अभियान को सफल बनाने के लिए विविध क्रियाकलापों का आयोजन किया गया।

मुख्यालय:

सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने तय कार्यक्रमानुसार कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। पुराने रजिस्टरों/ फाइलों की छँटाई, कार्यालय परिसर के आस-पास और मछली घाट इत्यादि के सफाई की। समापन समारोह के दौरान, महानिदेशक (प्रभारी) ने स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला और सभी कर्मचारियों से अनुरोध किया कि इस नेक काम को आगे नियमित कार्यो में भी अपनाइये।

मुम्बई बेस:

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुम्बई बेस, के सभी कर्मचारियों ने श्रमदान किया और सम्बधित अनुभागों, गियर अनुभाग, कार्याशाला, कार्यालय परिसर, सार्वजनिक स्थानों जैसे मत्स्यन घाट, ससून गोदी, नजदीकी-क्षेत्रों, संपर्क मार्गो, विभागीय सर्वेक्षण जलयानों पर स्वच्छता अभियान द्वारा समग्र स्वच्छता को पूरा किया। एक विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन दिनांक 23/09/2017 को किया गया जिसमें एडवोकेट श्री मकरन्द नार्वेकर, स्थानीय मुनसिपल काऊनसिलर सम्मिलित करके किया गया। मंत्रालय के आदेशानुसार, "सर्वत्र स्वच्छता" के अंतर्गत एक विशेष "सफाई" और "संवेदनशील" कार्यक्रम दिनांक 29/09/2017 को डांडा कोली व्यवसायिक सहकारी संस्था, खार दांडा, खार (प), मुम्बई के सहयोग से आयोजित किया गया। अन्य स्वच्छता अभियान, एड. श्री राज के. पुरोहित, स्थानीय पूर्व मंत्री और विधायक को सम्मिलित करके दिनांक 02/10/2017 को ससून गोदी, कुलाबा में आयोजित किया। स्वच्छता अभियान समापन, रैली के साथ ससून गोदी मुख्य द्वार से न्यू मत्स्यन जेट्टी तक स्वास्थ्यकर मछली को संभालना और स्वच्छता के महत्व पर जोर-देते हुए आयोजन किया।

मार्मुगोवा बेस:

मार्मुगोवा बेस के सभी अधिकारी और कर्मचारी, कार्यालय भवन और उसके परिसर की सफाई में सक्रिय रूप से भाग लिया। "स्वच्छता ही सेवा" पखवाड़ा और दिनांक 17/09/2017 को सेवा दिवस के दौरान वन्य पौधो और जलमग्न क्षेत्रों को साफ किया।

चेन्नई बेस:

चेन्नई बेस में दिनांक 17/09/2017 को सेवा दिवस का आयोजन किया गया और बेस कर्मचारियों द्वारा कैम्पस/कार्यालय के अन्दर व आसपास सफाई करते हुए कार्यक्रम सम्पन्न किया। इस अवधि के दौरान कार्यक्रम हर दिन 16:00 बजे से 17:00 बजे तक विर्धारित किया गया था। जिसमें बेस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया

विशाखापट्टणम बेस:

विशाखापट्टणम बेस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वच्छता अभियान में भाग लेते हुए कार्यालय परिसर एवं मत्स्यन हार्बर जेट्टी संख्या-6 की साफ-सफाई की।

पोर्ट ब्लेयर बेस:

सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने तय कार्यक्रमानुसार कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

संकलनकर्ता : कुमारी राजश्री बी. सनदी; श्री ए. शिवा और श्री राहुलकुमार बी. टेलर **संपादक** डॉ. विनोद कुमार मुडुमाला और डॉ. अंशुमान दास
हिन्दी अनुवाद; डॉ. एस. के. द्विवेदी, श्री ए. वी. ताम्हणे और श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, **हिंदी सचिवीय सहायता**: श्री हेमंत
प्रकाशक: डॉ. एल. रामालिंगम, महानिदेशक (प्रभारी),
भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, भारत सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, पशुपालन, डेअरी एवं मतस्यपालन विभाग
न्यू फिशिंग जेट्टी, ससून डॉक, कुलाबा मुम्बई-400 005,
दूरभाष 022 - 2215 1865/66 **फैक्स**: 022 - 22188 221; **तार मीना वेबसाईट**: htttp:/fsi.gov.in; **ई-मेल**: dg-fsi-mah@gov.in